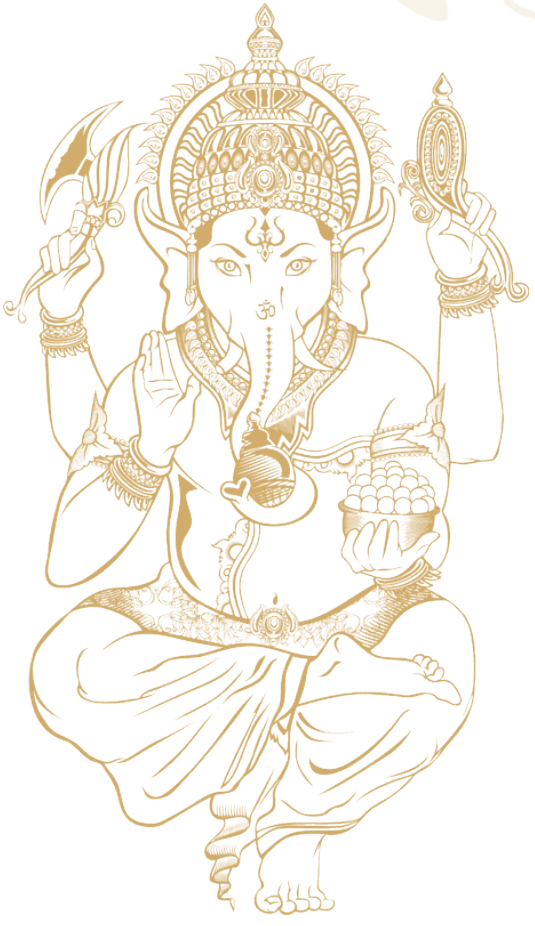

Mr.Iarki

07 May 2003

12:50 AM

Motihari

Model: web-freekundliweb

Order No: 121238603

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**6-07/05/2003**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**00:50:00 घंटे**
इष्ट	49:11:32 घटी
स्थान	**Motihari**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:40:00 उत्तर
रेखांश	84:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:59:40 घंटे
वेलान्तर	00:03:21 घंटे
साम्पातिक काल	15:56:37 घंटे
सूर्योदय	05:09:23 घंटे
सूर्यास्त	18:25:02 घंटे
दिनमान	13:15:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:57:17 मेष
लग्न के अंश	25:00:13 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	धृति
करण	बालव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केसरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	25:00:13	443:02:36	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
सूर्य			मेष	21:57:17	00:58:06	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	उच्च राशि
चंद्र			मिथु	20:11:27	12:22:10	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मक	14:51:00	00:34:37	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
बुध	व	अ	मेष	22:44:56	00:36:59	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु			कर्क	15:46:16	00:05:41	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			मीन	24:24:13	01:12:41	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	उच्च राशि
शनि			मिथु	02:44:16	00:06:33	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु			वृष	05:35:33	00:01:25	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	05:35:33	00:01:25	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	08:31:13	00:01:30	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप			मक	19:15:50	00:00:18	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	25:32:48	00:01:15	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			वृश्चि	07:22:42	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:58

लग्न-चलित

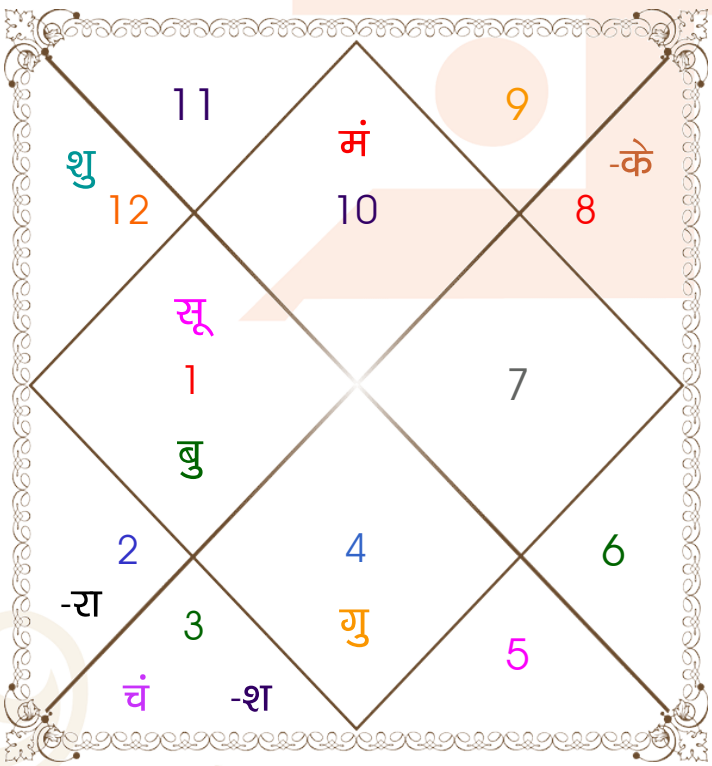

चन्द्र कुंडली

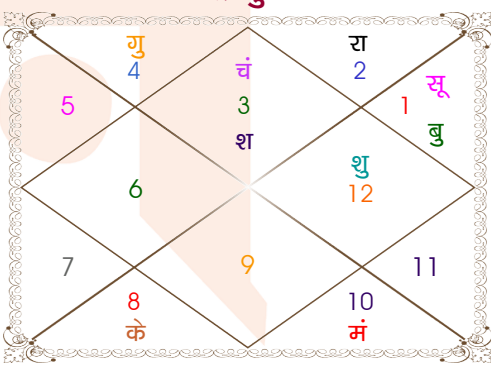

नवमांश कुंडली

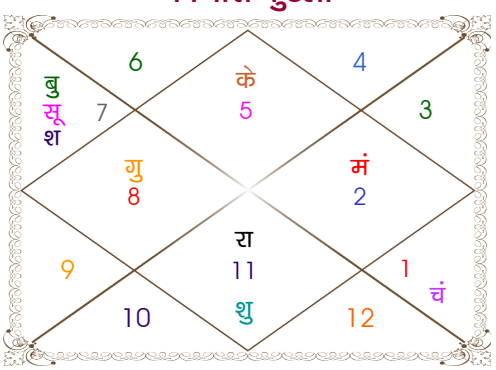

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 15 वर्ष 9 मास 7 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
07/05/2003		12/02/2019		12/02/2038		12/02/2055		12/02/2062	
12/02/2019		12/02/2038		12/02/2055		12/02/2062		12/02/2082	
गुरु	01/04/2005	शनि	15/02/2022	बुध	10/07/2040	केतु	11/07/2055	शुक्र	13/06/2065
शनि	13/10/2007	बुध	25/10/2024	केतु	07/07/2041	शुक्र	09/09/2056	सूर्य	13/06/2066
बुध	18/01/2010	केतु	04/12/2025	शुक्र	07/05/2044	सूर्य	15/01/2057	चंद्र	12/02/2068
केतु	25/12/2010	शुक्र	02/02/2029	सूर्य	14/03/2045	चंद्र	16/08/2057	मंगल	13/04/2069
शुक्र	25/08/2013	सूर्य	15/01/2030	चंद्र	13/08/2046	मंगल	12/01/2058	राहु	13/04/2072
सूर्य	13/06/2014	चंद्र	17/08/2031	मंगल	10/08/2047	राहु	31/01/2059	गुरु	13/12/2074
चंद्र	13/10/2015	मंगल	24/09/2032	राहु	27/02/2050	गुरु	07/01/2060	शनि	12/02/2078
मंगल	18/09/2016	राहु	01/08/2035	गुरु	04/06/2052	शनि	14/02/2061	बुध	12/12/2080
राहु	12/02/2019	गुरु	12/02/2038	शनि	12/02/2055	बुध	12/02/2062	केतु	12/02/2082

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
12/02/2082		12/02/2088		12/02/2098		12/02/2105		13/02/2123	
12/02/2088		12/02/2098		12/02/2105		13/02/2123		00/00/0000	
सूर्य	01/06/2082	चंद्र	12/12/2088	मंगल	11/07/2098	राहु	27/10/2107	गुरु	08/05/2123
चंद्र	01/12/2082	मंगल	14/07/2089	राहु	29/07/2099	गुरु	21/03/2110		00/00/0000
मंगल	08/04/2083	राहु	12/01/2091	गुरु	05/07/2100	शनि	25/01/2113		00/00/0000
राहु	01/03/2084	गुरु	13/05/2092	शनि	14/08/2101	बुध	14/08/2115		00/00/0000
गुरु	19/12/2084	शनि	13/12/2093	बुध	11/08/2102	केतु	01/09/2116		00/00/0000
शनि	01/12/2085	बुध	14/05/2095	केतु	07/01/2103	शुक्र	02/09/2119		00/00/0000
बुध	07/10/2086	केतु	13/12/2095	शुक्र	08/03/2104	सूर्य	26/07/2120		00/00/0000
केतु	12/02/2087	शुक्र	13/08/2097	सूर्य	14/07/2104	चंद्र	25/01/2122		00/00/0000
शुक्र	12/02/2088	सूर्य	12/02/2098	चंद्र	12/02/2105	मंगल	13/02/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 15 वर्ष 9 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में मकर लग्न के उदय काल में हुआ था। जन्म लग्न के समय पूर्वीय क्षितिज पर सिंह राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादि के प्रभाव की ज्योतिषीय आकृति से यह दृष्टिगत हो रहा है कि आपके जन्म प्रभाव के फलस्वरूप आपका जीवन धन, प्रतिष्ठा एवं शक्ति से संपन्न गुणों का प्रतिनिधित्व करायेगा। परंतु आप मन में ऐसी भावना लेकर निश्चिंत न होंवे कि क्योंकि आपके जन्म का जो प्रभाव है वह आपकी परिस्थिति के अनुकूल है इसलिए सब कुछ स्वतः ठीक हो जाएगा। ऐसा न समझे। आपको सफलता की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है। अर्थात् आपकी सफलता का श्रेय आपके परिश्रम और आपकी सच्ची लग्न पर निर्भर करता है।

आपकी महत्वकांक्षा के प्रति आपकी कार्यदक्षता एक अनुग्रहणीय गुण से युक्त है। आप अच्छी प्रकार यह जानती हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान की शक्ति से कुशाग्र बुद्धिमत्ता द्वारा अपनी योजना के प्रति समर्पित होकर उस कार्य योजना को लाभदायक एवं धन प्रदायक बना कर प्रस्तुत कर सकती हैं जो सुदृढ़ सुनिश्चियात्मक है। यदि आप ऐसा करें तो इसकी संभावना से विजयोल्लासित हो सकती हैं।

इस प्रकार आप लाभजनक स्थिति में आ सकती हैं। आप जीवन के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष की आयु के मध्य आपकी उन्नति एवं आपका भविष्य अन्यों की अपेक्षा उत्तम एवं प्रमुख नक्षत्र की भांति चमत्कृत होगा। आप अपनी वृद्धा अवस्था काल सहजतापूर्वक धन संचय संबंधी भवन का निर्माण कर सकती हैं।

आपके पति आपका सीखभरी गुण युक्त निर्देशन प्राप्त करेंगे। क्योंकि लोग आपके पास पहुंच कर महत्वपूर्ण विषयों पर निर्देशन प्राप्त करेंगे। आप मात्र उचित सम्मति ही नहीं प्रदान करेंगी बल्कि आप जरूरतमंद लोगों को धन संबंधी उचित स्रोत की भी व्यवस्था करेंगी। आप निश्चय पूर्वक दान सेवी संस्था को दान भी देंगी। क्योंकि आपका झुकाव धर्म की ओर भी रहता है। इस कारणवश आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण एवं परिदर्शन भी करेंगी।

आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति थोड़ी बहुत सतर्कता बरतनी चाहिए। यद्यपि आप स्वस्थ प्रसन्न एवं दीर्घजीवी प्राणी हैं। परंतु ऐसी आशंका है कि आप संबंधित रोगादि से प्रभावित भी हो सकती हैं। यथा चर्मरोग, अपाचन प्रक्रिया एवं क्षयरोगादि। इस संबंध में आप रूचिपूर्वक इस विधान को अंगीकृत करती हैं कि स्वस्थ्य रहने के लिए सतर्कता बरतनी चाहिए। आप सदैव उन संभावित दुर्घटनादि की अनदेखी न करें। जो सामान्य रूप से शरीर में छोटी-मोटी चोटादि होते रहते हैं।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग त्याज्य है। परंतु आपके लिए सफेद, लाल, काला एवं नीला रंग सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए अंकों में 3 अंक सर्वथा प्रतिकूल है। परंतु आपके लिए अनुकूल अंक

6, 8 एवं 9 अंक है। यह सभी महत्वपूर्ण कार्यो के संपादन हेतु लाभजनक है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वोत्तम दिन है। परंतु रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन आपके लिए सर्वथा प्रतिकूल है।